॥ ॐ दुर्गायै नमः ॥

घटस्थापना विधि 2026

कलश नियम • मुहूर्त • क्या न करें

VH Original · vhoriginal.com

शारदीय नवरात्रि 2026 की घटस्थापना अधिकतर पंचांगों में **11 अक्टूबर 2026** है। शहर और क्षण बदल सकते हैं — अपने पंचांग या पंडित से मुहूर्त की पुष्टि करें। यह घर की सरल विधि है।

कलश में क्या-क्या

1. पीतल या ताँबे का साफ कलश। प्लास्टिक नहीं।
2. जल — गंगाजल मिला सकते हैं। अक्षत और एक सिक्का।
3. पाँच या सात आम पल्लव मुख पर।
4. नारियल मुकुट सहित, मौली से बाँधकर पल्लव पर रखें।
5. कलश पर हल्दी-रोली का स्वस्तिक।
6. आसन लाल कपड़ा। कलश माँ की मूर्ति के पास, जहाँ नौ दिन न हिले।

स्थापना के कदम

1. स्नान, मंदिर की सफाई।
2. संकल्प — नौ दिन पूजा और संयम।
3. कलश भरकर स्थापित करें। दीया जलाएँ।
4. जहाँ रीत हो, पास मिट्टी में जौ या गेहूँ बोएँ, हल्का जल दें।
5. छोटी आरती। चालीसा बाद में भी चल सकती है।

कलश के नियम — क्या न करें

1. स्थापना के बाद कलश इधर-उधर न घुमाएँ। सफाई हो तो सावधानी से पोंछें।
2. जल रोज पूरा न बदलें — कई घर ऊपर से थोड़ा जल भरते हैं यदि सूखे। रीत पूछ लें।
3. जौ सूखें तो हल्का जल, बाढ़ न दें।
4. अखंड ज्योत रखते हैं तो कलश के बहुत पास खुली आग न हो।
5. मुहूर्त छूट जाए तो उसी दिन बाद में स्थापना कई घर कर लेते हैं — पंडित से पूछें। खाली दिन छोड़कर कलश अगले हफ्ते न रखना।

विसर्जन तक

कलश दशहरा / विसर्जन तक रहता है। अंत में जल पेड़ या गमले में दें। मूर्ति नदी में तभी जब स्थानीय नियम अनुमति दें।

यह विधि हिंदू लोक-परंपरा पर आधारित है। मुहूर्त और रीत क्षेत्र से बदलती है। यह आस्था का पाठ है — चिकित्सा, कानूनी सलाह या फल की गारंटी नहीं। वेबसाइट लाभ-हानि की जिम्मेदारी नहीं लेती।